

10<sup>01</sup>/<sub>22</sub> पत्रावली पेश हुई। पी.अ. अथवा  
अन्य कर्तव्यों में व्यस्त आशुतोष पत्रावली  
दिनांक 22<sup>02</sup>/<sub>22</sub> को पेश हो।  
राम

22<sup>02</sup>/<sub>22</sub>

पत्रावली पेश हुई। आवाजे लगावाची गिणी वाक्य  
कोई फायदा उपलब्ध नहीं। जितने यह उचित  
होता है ही वाद फल में फायदा ही लक्ष्य  
नहीं है। अतः वाद-फल वाली इसी स्वर  
पर आम हाजरी एवं आम पैरवी में करिष  
किया जाय है। पत्रावली निम्नलिखित में शुद्ध  
होकर एवं जाकर उपलब्ध कराने हेतु  
राम

